कल्याण सिंह
राज्यपाल, राजस्थान

राजभवन
जयपुर - 302006

संदेश

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के 1 अगस्त, 2017 को मनाये जा रहे 31वें स्थापना दिवस पर शिक्षकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ।

भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि को हमारे यहां सर्वोच्च व्यवसायों में से प्रमुख माना गया है। विगत कुछ वर्षो से हमारा देश सूखा व कई स्थानों पर असमय बाढ़ की परिस्थितियों से जूझ रहा है। इन सब का मुख्य कारण जलवायु परिस्थितियों में बदलाव, प्राकृतिक संसाधनों का अविवेकपूर्ण प्रयोग, पर्यावरण में बढ़ती प्रदूषण की समस्या तथा बढ़ती आबादी का भार है। वैश्वीकरण द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों को ओर अधिक सक्रिय होकर मौलिक अनुसंधान करने होंगे। असामयिक एवं प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए समाज को तैयार करना होगा। आज के युग में वही सफल होगा जो नये परिवेश के अनुकूल स्वंय को ढ़ाल कर कार्य करेगा। कृषि विश्वविद्यालयों को इस दिशा में नये वातावरण का निर्माण करना होगा।

यह विश्वविद्यालय राजस्थान के थार रेगिस्तान के केन्द्र में स्थित है। यहां कृषि व उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान किये जायें। किसानों को उन्नत कृषि के लिए तकनीकी प्रयोग के तरीकें बताये जायें। खास कर युवा पीढ़ी को कृषि व इससे जुड़े व्यवसायिक क्षेत्रों के बारे में प्रशिक्षित किया जाना जरूरी है ताकि आने वाले समय के लिए वे उद्यमी के रूप में तैयार हो सकें।

स्थापना दिवस पर आप सभी टीम भावना से विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रण लें। स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं।

(कल्याण सिंह)